शोभित विवि व एएआरडीओ के बीच एमओयू

चर्चा में क्यों?

11 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार मेरठ (उत्तर प्रदेश) की शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, (डीम्ड- टू-बी यूनिवर्सिटी) और अफ्रीकी- एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के बीच परस्पर सहयोग को लेकर एमओयू हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य तकनीकी हस्तक्षेप और क्षमता वृद्धि के माध्यम से चुनौतियों का समाधान कर कृषि और ग्रामीण विकास के लिये एक-दूसरे के साथ सहयोग करना है।
- इस एमओयू पर एएआरडीओ के महासचिव डॉ. मनोज नारदेव सिंह और शोभित विवि के कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेंद्र ने हस्ताक्षर किये।
- यह एमओयू न केवल मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण और विनिमय कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि यह अफ्रीका और एशिया के 31 देशों के लोगों और विशेष रूप से इन देशों की युवा आबादी के जीवन को प्रभावित करने में मदद करेगा।
- साथ ही यह समझौता छात्रों के वैज्ञानिक आदान-प्रदान की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- ज्ञातव्य है कि हाल ही में एएआरडीओ ने आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू किया।
- उल्लेखनीय है कि मेरठ, उत्तर प्रदेश में स्थित शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी), एक **NAAC** 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है।
- अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन **(AARDO)** का गठन वर्ष 1962 में एक स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन के रूप में किया गया था।
- एएआरडीओ में 33 सदस्य देश शामिल हैं जिनमें 17 अफ्रीकी सदस्य देश और 14 एशियाई देश और 1 निगम तथा 1 बैंक एसोसिएट के रूप में शामिल हैं।
- भारत में इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- इसका उद्देश्य लोगों के बीच कल्याण को बढ़ावा देने और प्यास, भूख, अशिक्षा और गरीबी को खत्म करने के लिये सदस्य देशों के बीच समझ विकसित करना है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mou-between-shobhit-university-and-aardo